अगस्त 2020

वानिकी समाचार

वर्ष 12 अंक 8

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन	01
प्रकृति कार्यक्रम	01
परामर्शी	01
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	02
कार्यशालाएं/वेबिनार/बैठकें	03
प्रशिक्षण कार्यक्रम	05
प्रकाशन	06
विविध	07
मानव संसाधन समाचार	07

क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन

शु.व.अ.सं., जोधपुर में क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर तथा उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने दिनांक 25 अगस्त 2020 को संयुक्त रूप से 'पश्चिमी तथा मध्य भारत में वानिकी अनुसंधान' विषय पर क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में पश्चिमी तथा मध्य भारत के विभिन्न राज्यों से अनेक वरिष्ठ वन अधिकारियों, भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के वैज्ञानिकों, शोधार्थियो एवं प्रगतिशील कृषकों ने प्रतिभाग किया। इस सम्मेलन में वानिकी अनुसंधान के विभिन्न पक्षों का समावेश कर पाँच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया।

प्रकृति कार्यक्रम

"प्रकृति – वैज्ञानिक : छात्र मिलन कार्यक्रम" के अंतर्गत वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर ने अगस्त 2020 माह के दौरान विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों के लिए "जीनोमिक्स में उन्नतियां : निहितार्थ एवं संभावनाएं" विषय पर "ऑनलाइन ज्ञान श्रृंखला" का आयोजन किया।

परामर्शी

टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लि.; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथोरिटी; प.व.ज.प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लि., नोएडा; एन.एम.डी.सी.लि., हैदराबाद; सिंगरेनी कोल्लिएरिज कम्पनी लि., कोठागुडेम; छत्तीसगढ़ वन विभाग, रायपुर; वन एवं पर्यावरण विभाग, भुवनेश्वर द्वारा प्रदत्त दस परामर्शी परियोजनाओं पर भा.वा.अ.शि.प. वर्तमान में कार्य कर रहा है।

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- धालुवाला (हरिद्वार) तथा फतेहपुर पेलियो (सहारनपुर) के प्रयोग स्थलों में 4X5 मी. तथा 5X5 मी. के दोनों अंतरालों में वृद्धि आंकड़ों को *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. ऑफिसिनेलिस* की आवक्ष तथा परिधि के रूप में दर्ज किया गया। दोनों स्थलों में आंवला *(ई. ऑफिसिनेलिस)* की मर्त्यता की प्रतिस्थापना की गई। उपर्युक्त स्थलों के प्रत्येक प्रयोग भूखंड से प्रयोगशाला में विश्लेषण करने के लिए मृदा नमूने भी एकत्रित किए गए। उपर्युक्त स्थलों में *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. ऑफिसिनेलिस* की रोपणियों का अनुरक्षण तथा अनुश्रवण प्रगति में है।
- धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) के दोनों स्थलों में कचनार, भीमल तथा कदम के वृद्धि आंकड़ें दर्ज किए गए। उपर्युक्त परियोजना के अंतर्गत दोनों स्थलों से प्रयोगशाला में विश्लेषण के लिए मृदा नमूने भी एकत्रित किए गए। दोनों स्थलों में कचनार, भीमल तथा कदम की मर्त्यता की प्रतिस्थापना की गई। उपर्युक्त स्थलों में कचनार, भीमल तथा कदम की रोपणियों का अनुरक्षण तथा अनुश्रवण प्रगति में है।
- रेशा निष्कर्षण के लिए रसायनों का उपचार प्रयोग (थायो यूरिया तथा यूरिया) पूर्ण हुए तथा प्रत्येक उपचार से 200 ग्राम रेशा (लगभग) प्राप्त किया गया। गाय के गोबर से रेशा निष्कर्षण की पर्यावरण हितैषी विधि प्रेक्षण के अंतर्गत है। रेशा निष्कर्षण के लिए *ग्रीविआ ऑप्टिवा* (भीमल) की टहनियों के उपचार के लिए कवक *ऐस्परजिलस नाइजर* के साथ कवक बीजाणु का स्टॉक सॉल्यूशन पोटैटो डेक्सट्रोज (पी.डी.बी.) तैयार किया गया। भीमल की टहनियों से कवक *ऐस्परजिलस नाइजर* के साथ उपचार कर रेशा निष्कर्षण पर प्रयोग पूर्ण हुए।
- पंखविहीन कौमार्यजनन की आकारमितिय अध्ययन प्रगति में है। *पिस्टासिया इण्टीग्रेरिमा* के बीजों के नाशी–कीटों को अभिज्ञान के लिए प्रसंस्कृत किया गया।
- सेलाकुई, विकासनगर, न्यू फॉरेस्ट क्षेत्र तथा देहरादून में वानस्पतिक बाग के विभिन्न वृक्षों : *केसिया फिस्टुला, डलबर्जिया सिस्सु, मैल्लोटस फिलीपेन्नसिस, मोरस एल्बा, पौन्गेमिआ पिन्नाटा* तथा *पोपुलस डेल्टोइड्स* से कीट अंडों के कुल ग्यारह नमूने एकत्रित किए गए। एकत्रित अंड नमूनों से तीन अंड परजीव्याभों का उद्भव हुआ – *मैल्लोटस फिलीपेन्नसिस* पर बग के अंडों से यूप्लीमिडी कुल के एनास्टेटस वंश की दो प्रजातियां तथा *पोपुलस डेल्टोइड्स* पर कोरिडी बग के अंडों से यूप्लीमिडी कुल के एप्रोस्टोसेटस वंश की एक प्रजाति का उद्भव हुआ।
- मानसून ऋतु के दौरान देहरादून जिले के चकराता वन प्रभाग के चकराता एवं देववन आरक्षित वनों के 12/C1a बन ओक वन; 12/C1d पश्चिमी मिश्रित शंकुल वनों में 3 दिनों तक तितलियों के नमूने लेने के लिए वन क्षेत्रों में क्षेत्र सर्वेक्षण किए गए। असामान्य प्रजाति *गोल्डन ऐम्परर, डिलीपा मोरजिआना* को सम्मिलित कर 4 ट्रान्जैक्टों में 32 प्रजातियों के नमूने लिए गए। उत्तराखण्ड में निमफैलिडी कुल की 137 प्रजातियों के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्रों को सृजित किया गया।
- आंकड़ें तथा कीट सामग्री के एकत्रण के लिए देववन, चकराता वन प्रभाग, जिला देहरादून में एक क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। देववन आरक्षित वन, चकराता वन प्रभाग में खारसु ओक, *क्वर्कस सेमिकार्पिफोलिया* वृक्षों पर सिरामबिसिड वेधक लार्वा, *जायलोट्रेक्स बेसिफ्यूलीजिनोसस* तथा *रोशेलिआ लेटेरिशिआ* के वयस्कों एवं अंडों के जीवविज्ञान पर प्रयोग करने के लिए एकत्रित किए गए। असंक्रमित खारसु वनों में प्रस्तम्भ प्राचलों यथा आवक्ष प्रस्तंभ ऊंचाई, घनत्व, वृक्ष मृत्यता एवं वानस्पितिक संघटन तथा व्यवधानों को दर्ज करने के लिए 10मी.X10मी. के 10 क्वाड्रेट्स निर्धारित किए गए। लेप्डोप्टेरन निष्पत्रकों की 5 प्रजातियों के जीवन चक्र पर अध्ययन किए गए।
- 242 कीट प्रकारों को डिजीटलीकृत किया गया तथा इन प्रकारों के लगभग 933 छायाचित्र लिए गए। छायाचित्रों को Tiff, Jpeg तथा compressed प्रारूपों में भण्डारित किया गया। दराज 137 की 156 प्रजातियों के छायाचित्रों को संपादित किया गया। गलत तरीके से 42 अनुक्रमित प्रजातियों के छायाचित्रों का पुनःनामकरण किया गया। इसके साथ–साथ 156 अन–अनुक्रमित प्रजातियों को नवीन आवंटित अनुक्रमों से पुनःनामकरण भी किया गया। सभी छायाचित्रों को सभी तीनों प्रारूपों में अद्यतनीकृत किया गया। विगत में तैयार सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर संग्रह में प्रत्येक प्रजातियों के लिए भौतिक रूप से सत्यापन कर दराज 38 से 46 (आंशिक) में 1866 अनुक्रमों/प्रजातियों के रिकार्ड आंकड़ा–संचय में संशोधित किए गए।
- 38 नमूनों को एकत्रित किया गया तथा प्रयोगशाला परिस्थितियों के अंतर्गत पालन–पोषण किया गया। विभिन्न अवस्थितियों से रियरिंग/स्वीप नैट के द्वारा तीन टैरोमैलिड परजीव्याभों को एकत्रित किया गया। दो टैरोमैलिड परजीव्याभों को क्रमशः यूनोटिनी तथा सेफाल्टा के रूप में चिह्नित किया गया। उपयुक्त अभिज्ञान के लिए दस टैरोमैलिड प्रतिदर्शों को कार्ड पर आरूढ़ किया गया।
- क्षेत्र से एकत्रित वयस्कों से साल अंतःकाष्ठ वेधक के 30 युग्म तैयार किए गए तथा प्रयोगशाला में उनके जैविक प्राचलों के अवलोकन के लिए रखा गया। वयस्क के दो युग्मों को ई.ए.जी. अध्ययनों के लिए काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू में भेजा गया। शृंगिका (एंटीना) के दो युग्मों को, दोनों नर एवं मादा को कीमो रिसेप्टर अध्ययनों के लिए रसायन एवं जैव–पूर्वेक्षण प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान को दिया गया। कवक द्वारा पूर्ण रूप से संक्रमित *एच. स्पीनिकोर्निस* के एक मृत वयस्क को रोगाणु, यदि कोई होने पर, को पृथक करने के लिए दिया गया। चयनित स्थलों में कीट पारिस्थितिकी, उद्भव एवं बाहुल्यता, ट्री ट्रैप एकत्रण तथा वृक्षों के स्वास्थ्य पर क्षेत्र से एकत्रित आंकड़ों को कम्प्यूटरीकृत किया गया।
- प्रयोगशाला में होपलो वयस्क के आकर्षण, नर एवं मादा दोनों पर ओलफैक्ट्रोमीटर की सहायता से प्राकृतिक बास्ट तथा विलायक की सहायता से गंध पर बायोएसे अध्ययन किए जा रहे हैं। छायाचित्रों के साथ साल अंतःकाष्ठ वेधक के आक्रमण की श्रेणियों के अभिज्ञान पर डिजीटल पोस्टर तैयार किया गया तथा मुद्रित किया गया।

- लैंसडाउन वन प्रभाग, कोटद्वार, जिला – पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड के नौरी एवं मुडियापानी क्षेत्रों में 3C/C2a नम शिवालिक साल वन में 4 दिनों में नमूना लिए गए हेटेरोसिरा के 9 कुलों की 43 वंशों से संबद्ध 43 प्रजातियों को अभिज्ञात किया गया।
- भुक्कीटॉप, उत्तरकाशी तथा घिआस, बद्रीनाथ, चमोली में पाई जाने वाली *टैक्सस बैक्काटा* की दो वृक्ष आबादियों को उनकी सूचिकाओं में 10–डिकेटायलिबैक्केटिन – III, मार्कर ड्राइटिटरपेनोइड की मात्राओं के लिए एच.पी.एल.सी. द्वारा लक्षण–वर्णित किया गया।
- देववन, चकराता तथा देवीमंदिर, चमोली में पायी जाने वाली *टैक्सस बैक्काटा* की दो वृक्ष आबादियों की सूचीकाओं से पृथक सत्त को उनके 10–डिकेटायलिबैक्केटिन – III सहायतार्थ जाँच के लिए कॉलम क्रोमैटोग्राफी के माध्यम से शोधित किया गया।
- *रूबस निवेयूस* के फलों में कुल फिनोलिक मात्रा, कुल फ्लेवोनाइड मात्रा, कुल एन्थोसायनिन मात्रा तथा विटामिन – सी की मात्रा का निर्धारण किया गया।
- नीम कृषिजोप्रजाति के निर्मुक्तन के प्रस्ताव के संबंध में चयनित नीम के बीजों में एजा–ए, एजा–बी, निम्बिन तथा सेलानिन के परिमाणीकरण से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण किया गया।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- पश्चिमी राजस्थान के इंदिरा गाँधी नहर परियोजना क्षेत्र में *ए.टॉर्टिलिस* के आवक्ष ऊंचाई पर व्यास तथा कुल ऊंचाई के मध्य एक द्विघात समीकरण प्रेक्षित की गई है। द्विघात समीकरण ऊंचाई = $0.004X2-0.151x+9.522, R^2=0.406$ के रूप में है।
- *ए.टॉर्टिलिस* का शुष्क बायोमास आवक्ष ऊंचाई पर व्यास जैसे शुष्क बायोमास = $35.47*E0.088DBH$, $R^2=0.909$ से घातीय रूप से संबंधित पाया गया।
- एक समाप्त हो रही परियोजना के निष्कर्षों ने इंगित किया कि राजस्थान के लोगों की आजीविका सुधार में कृषिवानिकी का योगदान है। आर्थिक लाभ उच्चतम सिंचाई प्रणाली के अंतर्गत *डी.सिस्सु* में रु.86,018 प्रति हैक्टेयर था, तत्पश्चात *ए.ऐक्सेल्सा* (रु.75,016 प्रति हैक्टेयर) तथा *टी. ग्राण्डिस* (रु.73,600 प्रति हैक्टेयर) आधारित प्रणालियों में था। न्यूनतम लाभ *ए. टॉर्टिलिस* के लिए रु.27236 प्रति हैक्टेयर तथा *ए.सेनेगल* (रु. 27367 प्रति हैक्टेयर) आधारित प्रणालियों के लिए दर्ज किया गया। सवाई माधोपुर जिले में अमरूद बागवानी प्रणाली ने उच्चतम लाभ (रु.126653 प्रति हैक्टेयर/प्रति वर्ष) तत्पश्चात बाड़मेर जिले में कलमीकृत बेर (रु. 106750 प्रति हैक्टेयर) तथा अनार (रु.89503 प्रति हैक्टेयर/प्रति वर्ष) ने लाभ दिया।

कार्यशालाएं/वेबिनार/बैठकें

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	कृषि वानिकी एवं जीविका सृजन	05 अगस्त 2020	महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों के छात्र तथा प्रबंधन संस्थान, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी तथा केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा से प्रशिक्षु, गैर सरकारी संगठन, स्वयं सहायता समूह, उद्यमी एवं कृषक

नाशी–कीटों एवं व्याधियों द्वारा जनित स्वास्थ्य समस्याओं के एकीकृत प्रबंधन में नवीन उन्नतियों पर वेबीनार

2.	नाशी–कीटों एवं व्याधियों द्वारा जनित वृक्ष स्वास्थ्य समस्याओं के एकीकृत प्रबंधन में नवीन उन्नतियां	18 अगस्त 2020	महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों के छात्र तथा प्रबंधन संस्थान, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी तथा केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा से प्रशिक्षु, गैर सरकारी संगठन, स्वयं सहायता समूह, उद्यमी एवं कृषक
3.	पारंपरिक से लेकर बायोप्रौद्योगिकिय उपागमों से बाँस सुधार	21 अगस्त 2020	विभिन्न राज्यों के वन विभाग

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

4.	जीनोमिक्स में उन्नतियां – निहितार्थ एवं संभावनाएं	7 अगस्त 2020	पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड साइन्स कोयम्बटूर के विद्यार्थी
5.	कृषि आमदनी में वृद्धि के लिए वृक्ष कृषि	13 से 27 अगस्त 2020	तमिलनाडु के वृक्ष उत्पादक तथा अन्य हितधारक

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

6.	वन पारिस्थितिकी तंत्र में कीट एवं कवक की भूमिका : चुनौतियां एवं भविष्य की संभावनाएं	26 अगस्त 2020	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान; वन अनुसंधान केन्द्र – कौशल विकास; विश्वविद्यालयों; हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला; वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद; वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून; हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला तथा केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, नागालैण्ड से प्रतिभागी
7.	संवहनीय भूमि प्रबंधन के लिए उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	26 अगस्त 2020	वैज्ञानिक
8.	वृक्ष प्रजातियों/कृन्तकों के परीक्षण एवं विमोचन के लिए विनियामक तंत्र – एक विश्लेषण	31 अगस्त 2020	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान; वन अनुसंधान केन्द्र – कौशल विकास तथा राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर से प्रतिभागी

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

9.	उत्तर पश्चिम हिमालय में आजीविका सुरक्षित करने के लिए *पाइनस जिरार्डियाना* (चिलगोजा) का संवहनीय तुड़ान तथा संरक्षण	28 अगस्त 2020	वैज्ञानिक, वन अधिकारी, तकनीकी अधिकारी तथा अन्य अनुसंधान कर्मचारी

उत्तर पश्चिम हिमालय में आजीविका सुरक्षित करने के लिए *पाइनस जिरार्डियाना* (चिलगोजा) का संवहनीय तुड़ान तथा संरक्षण पर वेबीनार

वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

10.	भारत में यूकेलिप्टस सुधार तथा स्थिति	4 अगस्त 2020	अधिकारी एवं कर्मचारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
1.	हस्त निर्मित पानी की बोतलों के लिए बाँस हस्तशिल्प कार्य	10 से 14 अगस्त 2020	त्रिपुरा के जनजातीय युवक तथा अन्य हस्तशिल्प हितधारक
2.	बाँस आधारित उपयोज्य उत्पादों तथा उद्यम विकास पर कौशल उन्नयन	23 से 31 अगस्त 2020	बाँस हस्तशिल्प हितधारक

हस्त निर्मित पानी की बोतलों के लिए बाँस हस्तशिल्प कार्य पर प्रशिक्षण

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

3.	महत्वपूर्ण उच्च मूल्यित समशीतोष्ण औषधीय पादपों की कृषि	5 अगस्त 2020	कृषक तथा हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग/हरिपुर, कुल्लू से अग्रपंक्ति कर्मचारी
4.	*ट्रीविलियम गोवानिएनम* (नागछतरी) की पौधशाला तथा प्रवर्धन तकनीकियां	6 अगस्त 2020	कृषक तथा हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग/हरिपुर, कुल्लू से अग्रपंक्ति कर्मचारी

ट्रीविलियम गोवानिएनम (नागछतरी) की पौधशाला तथा प्रवर्धन तकनीकियों पर प्रशिक्षण

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

5.	चंदन : बीज हस्तन, पौधशाला एवं रोपण प्रौद्योगिकी	21 अगस्त 2020	कृषक, भा.वा.अ.शि.प. तथा अन्य संगठनों से शोधार्थी
6.	ऑडिट पर राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण	25 अगस्त 2020	शोधार्थी
7.	क्रॉस लैमिनेटेड प्रकाष्ठ का विकास	31 अगस्त 2020	काष्ठ आधारित उद्योग, भा.वा.अ.शि.प. तथा अन्य संगठनों से शोधार्थी

प्रकाशन

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने निम्नांकित विस्तार सामग्री (पैम्फलेट्स) का प्रकाशन किया तथा इनका विमोचन महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा दिनांक 25 अगस्त 2020 को क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन के दौरान किया गया –

1. आदर्श पौधशाला : आफरी
2. उत्तर पश्चिमी राजस्थान में खेजड़ी *(प्रोसोपिस सिनेरेरिया)* मर्त्यता : कारण, तीव्रता और उपचार
3. रोहिड़ा : मारवाड़ का सागवान
4. लाल चंदन (रक्तचंदन) : हरा सोना
5. किसानों के लिए सफेद चंदन की खेती हेतु मार्गदर्शिका
6. अकाष्ठ वनोपजों के मूल्य संवर्धन द्वारा जीविकोपार्जन में वृद्धि
7. Model Nursery : AFRI
8. Khejri (*Prosopis cineraria*) Mortality :Causes, Severity & Remedies in North-Western Rajasthan
9. *Tecomella undulata* (Rohida) : Marwar Teak of Rajasthan (A step Towards Genetic Improvement)
10. Red Sanders (Lal Chandan) : A Green Gold
11. Farmer's Guide for White Sandalwood Cultivation
12. Enhancing of Livelihood Generation through Value Addition on Non Timber Forest Products: NTFPs
13. *Casuarinas* : multipurpose Nitrogen Fixing Plants
14. AFRI information booklet

विविध

संस्थान	विशेष दिन / विषय–वस्तु	समयावधि
वन उत्पादकता संस्थान, राँची	राष्ट्रीय हथकरघा दिवस	7 अगस्त 2020

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री लाखी राम जोशी, अवर सचिव, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (मुख्यालय)	04.08.2020
श्रीमती रेखा रानी, अवर सचिव, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून	10.08.2020
श्री मनोरंजन दास, अवर सचिव, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट	04.08.2020
श्री हेमंत गग्गल, अवर सचिव, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	04.08.2020
डॉ. ए. बालासुब्रमनिअन, अनुसंधान अधिकारी, वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर	04.08.2020

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
डॉ. मोहम्मद युसुफ, वैज्ञानिक–'जी', वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून	31.08.2020
डॉ. जी. रवि कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू	31.08.2020
श्री संगत राम, वन रेंज अधिकारी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला	31.08.2020

स्थानांतरण

अधिकारी का नाम	तिथि	से	को
डॉ. अरूण कुमार, वैज्ञानिक – 'एफ'	14.08.2020	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर	काष्ठ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

संरक्षक:
श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडल:
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. ए.के. पाण्डेय, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।